The Telegraph

The Telegraph NO ONE KNOWS OUR CITY BETTER

METRO

● AT 77, COUNSELLING GRADUATION P9

CALCUTTA WEDNESDAY 6 JULY 2022 XXCE

The Telegraph

THE TELEGRAPH CALCUTTA WEDNESDAY 6 JULY 2022 METRO 9

At 77, counselling graduation

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Calcutta: The graduation ceremony of Caring Minds, Institute of Mental Health, was held on Tuesday afternoon.

Diplomas and certificates for Diploma in Psychological Counselling (second batch) and Certificate Course in Psychotherapy (third batch) were presented to the candidates.

Recognised by Jadavpur University, these courses offered by the academic wing of Caring Minds, Institute of Mental Health, cover a variety of topics that not only enhance a students' understanding of self and the people around them but also develops a strong foundation for those who want to study psychology further.

Jadavpur University VC Suranjan Das presents a certificate to a student on Tuesday, as founder-director of Caring Minds, Minu Budhia, looks on. Picture by Pradip Sanyal

The founder-director of Caring Minds, Minu Budhia, said the graduating batch not only consisted of students looking for a career, but also a 77-year-old woman who wanted to complete the course for "personal growth".

"I believe the students will make an impactful contribution to the community both as counsellors and as citizens. These courses are important as each graduate brings us one step closer to decreasing the paucity of mental health professionals in the country," said Budhia.

Also present on the occasion were the vice-chancellor of Jadavpur University, Suranjan Das, and minister Sujit Bose.

Das said the university remained committed to the institute.

Caring Minds in over 9 years has touched 25 lakh lives through its clinical, academia and research and awareness wings. The healthcare facility has a diverse team of psychiatrists and psychologists who cater to issues faced by people of all ages.

MILLENNIUMPOST.IN

millenniumpost

NO HALF TRUTHS

PUBLISHED FROM DELHI | KOLKATA

VOL.17, ISSUE 186 | Wednesday, 6 July, 2022 | New Delhi | Pages 12 | Rs 3.00

Building strong foundation for a mentally healthy nation

OUR CORRESPONDENT

Minister Sujit Bose and the Vice-Chancellor of Jadavpur University Professor Suranjan Das graced the 'Caring Minds' graduation ceremony and presented diplomas and certificates for 'Diploma in Psychological Counselling' (second batch) and 'Certificate Course in Psychotherapy' (third batch). Recognised by Jadavpur University, these courses offered by the academic wing of 'Caring Minds' (Institute of Mental Health) cover a variety of topics that not only enhance the students' understanding of self and the people around them but also develop a strong foundation for those who want to study further in psychology.

Accompanied by Minu Budhia, Founder-Director, 'Caring Minds', the guests toured the institute to get an overview of the mental healthcare services available.

Visibly moved after a tour of both the facilities, Sujit Bose said, "It is a unique experience to be a part of a programme where one gets to learn something new. I must applaud Minu Ji for the huge responsibility she is carrying out so excellently. To the students graduating today, I would like to say that they have a great responsibility now to go out into the world and positively help the community."

Minu Budhia said, "I'd like to extend my congratulations to all the students for having worked hard and passed with flying colours. I have faith that they will make an impactful contribution to the community both as counsellors and as citizens. These courses are important as each graduate brings us one step closer to decreasing the paucity of mental health professionals."

Over nine years, 'Caring Minds' has touched over 25 lakh lives via its three wings - 'Clinical', 'Akademia' and 'Outreach and Awareness'. The first-of-its-kind one-stop, multi-specialty mental healthcare facility in Eastern India, 'Caring Minds' has a diverse team of licensed psychiatrists, psychologists and eminent allied professionals who cater to issues across all age groups.

সংবাদ প্রতিদিন

‘কেয়ারিং মাইন্ডস গ্রাজুয়েশন সেরিমনি’-তে ডিপ্লোমা ও সার্টিফিকেট প্রদান অনুষ্ঠানে ছাত্রছাত্রীদের সঙ্গে মন্ত্রী সুজিত বসু, যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাচার্য ড. সুরঞ্জন দাস, কেয়ারিং মাইন্ডস-এর প্রতিষ্ঠাতা-ডিরেক্টর মিনু বুধিয়া।

খবর ৩৬৫ দিন

বুধবার
৬ জুলাই ২০২২
২১ আষাঢ় ১৪২৯
দাম ৪ টাকা
কলকাতা থেকে প্রকাশিত

বর্ষ ১১ ■ সংখ্যা ১৬৯
Vol. XI. No. 169
কলকাতা সংস্করণ

৩৬৫ দিন। মনোবিজ্ঞান চর্চায় নতুন দিশা দেখাচ্ছে কেয়ারিং মাইন্ডস। শুধু সফল মানসিক স্বাস্থ্য পেশাদার তৈরীই নয় সঠিক প্রশিক্ষণের মাধ্যমে মনোবিজ্ঞান চর্চার অন্যতম সেরা প্রতিষ্ঠান হয়ে উঠেছে কেয়ারিং মাইন্ডস। স্বীকৃতি মিলেছে যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়ের। সম্প্রতি প্রতিষ্ঠানের সমাবর্তন অনষ্ঠিত হয়। উপস্থিত ছিলেন, কেয়ারিং মাইন্ডস এর প্রতিষ্ঠাতা-পরিচালক মিনু বুধিয়া, যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয় উপাচার্য সহ বিশিষ্ট ব্যক্তিরা। সফল শিক্ষার্থীদের ডিপ্লোমা ইন সাইকোলজিক্যাল কাউন্সেলিং (২য় ব্যাচ) এবং সাইকোথেরাপির সার্টিফিকেট কোর্স (৩য় ব্যাচ)-এর ডিপ্লোমা এবং শংসাপত্র প্রদান করা হয়। মিনু বুধিয়া বলেন, কঠোর পরিশ্রম এবং বর্ণময় সাফল্যের সঙ্গে উত্তীর্ণ হবার জন্য আমি সমস্ত শিক্ষার্থীদের অভিনন্দন জানাতে চাই। আমি বিশ্বাস করি যে তারা কাউন্সেলর এবং নাগরিক হিসেবে উভয় ক্ষেত্রেই একটি সুদূরপ্রসারী অবদান রাখবে।

একদিন

এগিয়ে চলার সঙ্গী

কলকাতা ৬ জুলাই ২০২২ ২২ আষাঢ় ১৪২৭ বুধবার ষোড়শ বর্ষ ২৫ সংখ্যা ৮ পাতা ৩.০০ টাকা

সম্প্রতি হয়ে গেল কেয়ারিং মাইন্ডস-এর (ইনস্টিটিউট অফ মেন্টাল হেলথ) সমাবর্তন অনুষ্ঠান। উপস্থিত ছিলেন মন্ত্রী সুজিত বসু, যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাচার্য সুরঞ্জন দাস। সফল শিক্ষার্থীদের হাতে শংসাপত্র তুলে দেওয়া হয়।

छपते छपते

छपते छपते आस-पास

कोलकाता
बुधवार, 6 जुलाई 2022

कोलकाता को मिले नये काउंसलर केयरिंग माइंड्स में दीक्षांत समारोह

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 5 जुलाई। मंत्री श्री सुजीत बोस एवं जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सुरंजन दास ने केयरिंग माइंडस स्नातक समारोह में भाग लिया और डिप्लोमा इन साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग (द्वितीय बैच) और सर्टिफिकेट कोर्स इन साइकोथेरेपी (तीसरा बैच) को डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए।जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त, केयरिंग माइंडस (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान) के अकादमिक विंग द्वारा पेश किए गए इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है जो न केवल स्वयं और उनके आसपास के लोगों की छात्रों की समझ को बढ़ाते हैं, बल्कि उन लोगों के लिए एक मजबूत नींव भी विकसित करते हैं। जो मनोविज्ञान के क्षेत्र में आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं।

संस्थापक निदेशक मीनू बुधिया के साथ, अतिथियों ने उपलब्ध आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन प्राप्त करने के लिए संस्थान का दौरा किया। मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं से मिलकर उन्होंने कई तरह के मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और उपचारोंके बारे में जाना।

दौरे के बाद स्पष्ट रूप से प्रभावित, मंत्री श्री सुजीत बोस ने कहा, एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रमजहां किसी को कुछ नया सीखने को मिले का हिस्सा बनना एक अनूठा अनुभव है। मुझे मीनू जी की सराहना करनी चाहिए कि वह इस बेहद महत्वपूर्ण बड़े संस्थान को इतनी बेहतरीन तरीके से निभा रही हैं। आज केआधुनिक समाज में लोग जबरदस्त मानसिक दबाव में हैं और उनके लिए काउंसलिंग जरूरी है। आज स्नातक करने वाले छात्रों को,

सुश्री मीनू बुधिया की सराहना करते हुए कि कैसे प्रोफेशनल रूप से पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और उनके सहयोग की प्रशंसा करते हुए, श्री सुरंजन दास ने कहा, हम आपकी मदद करने के लिए तत्पर हैं - जादवपुर विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए और भविष्य में आपके द्वारा पेश किए जाने वाले किसी भी पाठ्यक्रम के लिए, हम आपको संबद्धता प्रदान करे और आपके साथ रहने में हमें खुशी होगी।

मीनू बुधिया ने कहा, मैं सभी छात्रों को कड़ी मेहनत करने और अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के लिए बधाई देना चाहती हूं। मुझे विश्वास है कि वे परामर्शदाताओं और नागरिकों दोनों के रूप में समुदाय के लिए एक प्रभावशाली योगदान देंगे। ये पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि प्रत्येक स्नातक हमारे देश में मानसिक स्वास्थ्य प्रवृत्तिकारों की कमी को दूर करने में हमें एक कदम और आगे लाता है।

9 वर्षों में केयरिंग माइंड्स (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान) ने तीन विंग - क्लिनिकल, एकेडेमिया और आउटरीच और जागरूकता के माध्यम से 25 लाख से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है। पूर्वी भारत में अपनी तरह का पहला वन-स्टॉप, मल्टी-स्पेशियलिटी मानसिक स्वास्थ्य सुविधा, कैरिंग माइंड्स के पास लाइसेंस प्राप्त मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और प्रख्यात संबद्ध की एक विविध टीम है जो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करती है।सभी बातचीत, अपॉइंटमेंट, रिकॉर्ड आदि सम्पूर्ण गोपनीय रखे जाते हैं।

दैनिक विश्वमित्र
• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •
वर्ष 107 ■ संख्या 184 कोलकाता बुधवार ■ 6 जुलाई 2022 ■ आषाढ़ शुक्ल 7 सम्वत् 2079

R.N.I. NO. 2508/57 Regd. No. KOL RMS/291/2019-2021

कोलकाता को मिले नये काउंसलर

केयरिंग माइंड्स में दीक्षांत समारोह

केयरिंग माइंड्स में दीक्षांत समारोह के दौरान राज्य के मंत्री श्री सुजीत बोस, यादवपुर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. सुरंजन दास, केयरिंग माइंड्स की संस्थापक–निदेशक मीनू बुधिया तथा अन्य। विश्वमित्र

कोलकाता, 5 जुलाई (नि.प्र.)। माननीय मंत्री श्री सुजीत बोस एवं जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सुरंजन दास ने केयरिंग माइंड्स स्नातक समारोह में भाग लिया और डिप्लोमा इन Psychological Counselling (द्वितीय बैच) और सर्टिफिकेट कोर्स इन Psychotherapy (तीसरा बैच) को डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए। यादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त, Caring Minds (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान) के अकादमिक विंग द्वारा पेश किए गए इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है जो न केवल स्वयं और उनके आसपास के लोगों की छात्रों की समझ को बढ़ाते हैं, बल्कि उन लोगों के लिए एक मजबूत नींव भी विकसित करते हैं। जो मनोविज्ञान के क्षेत्र में आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं। मीनू बुधिया (संस्थापक–निदेशक, Caring Minds) के साथ, माननीय अतिथियों ने उपलब्ध आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन प्राप्त करने के लिए संस्थान का दौरा किया। दौरे के बाद स्पष्ट रूप सेप्रभावित, माननीय मंत्री श्री सुजीत बोस ने कहा, एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम जहां किसी को कुछ नया सीखने को मिले का हिस्सा बनना एक अनूठा अनुभव है। मुझे मीनू जी की सराहना करनी चाहिए कि वह इस बेहद महत्वपूर्ण बड़े संस्थान को इतनी बेहतरीन तरीके से निभा रही हैं।

श्रीमती मीनू बुधिया की सराहना करते हुए कि कैसे प्रोफेशनल रूप से पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और उनके सहयोग की प्रशंसा करते हुए, श्री सुरंजन दास ने कहा, हम आपकी मदद करने के लिए तत्पर हैं – यादवपुर विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए और भविष्य में आपके द्वारा पेश किए जाने वाले किसी भी पाठ्यक्रम के लिए, हम आपको संबद्धता प्रदान करें और आपके साथ रहने में हमें खुशी होगी। माननीय मंत्री जी ने बताया, सरकार भी आपके साथ होगी। जब मैं मीनू जी के प्रयासों को देखता हूं, तो मुझे हेलेन केलर का एक उदाहरण याद आता है – जब खुशी का एक दरवाजा बंद होता है, तो दूसरा दरवाजा खुल जाता है। हम बंद दरवाजे को इतनी देर तक देखते हैं, कि जो खुला है, वह हमें दिखाई नहीं देता। मीनू जी न केवल खुद खुले दरवाजे से गुजरी हैं, बल्कि उन्होंने Caring Minds के माध्यम से इसे कई अन्य लोगों के लिए भी इसे खोल दिया है। मीनू बुधिया ने कहा, हम अपने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी यात्रा ने हमें इस भ्रम को तोड़ने की अपनी यात्रा पर विश्वास के साथ जारी रखने के लिए प्रेरित किया है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा

केयरिंग माइंड्स के दीक्षांत समारोह में महानगर को मिले नये साईकोलॉजीकल काउंसलर

कोलकाता, समाज्ञा : केयरिंग माईंड्स के दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा इन साईकोलॉजीकल काउंसिलिंग (द्वितीय बैच) और सर्टिफिकेट कोर्स इन साईकोथेरेपी (तीसरा बैच) को डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के मंत्री सुजीत बोस एवं जादवपुर विश्वविद्यालय के उपाचार्य सुरंजन दास उपस्थित थे। जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त, केयरिंग माइंड्स (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान) के अकादमिक विंग द्वारा पेश किए गए इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है। मीनू बुधिया (संस्थापक-निदेशक, केयरिंग माइंड्स) के साथ, उपस्थित अतिथियों ने उपलब्ध आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य

सेवाओं का अवलोकन प्राप्त करने के लिए संस्थान का दौरा किया। मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं से मिलकर उन्होंने कई तरह के मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और उपचारों के बारे में जाना। दौरे के बाद सुजीत बोस ने कहा कि एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम है जहां कुछ नया सीखने को मिला। इसका हिस्सा बनना एक अनूठा अनुभव है। मुझे मीनू बुधिया की सराहना करनी चाहिए कि वह इस बेहद महत्वपूर्ण बड़े संस्थान को इतनी बेहतरीन तरीके से निभा रही हैं। आज स्नातक होने वाले छात्रों को मेरी शुभकामनाएं। सुरंजन दास ने कहा कि हम आपकी मदद करने के लिए तत्पर हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए और भविष्य में आपके द्वारा पेश किए जाने वाले किसी भी पाठ्यक्रम के लिए, हम आपको संबद्धता प्रदान करें। मीनू बुधिया ने कहा कि हम अपने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी यात्रा ने हमें इस भ्रम को तोड़ने की अपनी यात्रा पर विश्वास के साथ जारी रखने के लिए प्रेरित किया है। मैं सभी छात्रों को कड़ी मेहनत करने और अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के लिए बधाई देना चाहती हूं।

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका

पत्रिका patrika.com | सिटी कम्युनिटी CITY COMMUNITY & CULTURE कल्चर | 04 | राजस्थान पत्रिका patrika.com
कोलकाता, बुधवार, 06 जुलाई 2022

छात्रों को मिला डिप्लोमा और प्रमाण पत्र

कोलकाता। मंत्री सुजीत बोस, जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति सुरंजन दास ने केयरिंग माइंड्स के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लिया। बोस और दास ने मीनू बुधिया (संस्थापक-निदेशक, केयरिंग माइंड्स) के साथ छात्रों को डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इन छात्रों ने मनोचिकित्सा में डिप्लोमा और मनोचिकित्सा में सर्टिफिकेट कोर्स पास किया था। दोनों पाठ्यक्रमों को जादवपुर विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। डिप्लोमा इन साइक्लोजोकिल काउंसलिंग (द्वितीय बैच) और सर्टिफिकेट कोर्स इन साइकोथेरेपी (तीसरा बैच) को डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। बोस ने कहा कि एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम जहां किसी को कुछ नया सीखने को मिले का हिस्सा बनना एक अनूठा अनुभव है। उन्होंने मीनू बुधिया की सराहना कर कहा कि वे इस महत्वपूर्ण बड़े संस्थान को इतनी बेहतरीन तरीके से निभा रही हैं। केयरिंग माइंड्स पूर्वी भारत में पहला वन-स्टॉप, मल्टी-स्पेशियलिटी मानसिक स्वास्थ्य सुविधासेंटर है। मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों की एक विविध टीम है जो सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करती है।

আজকাল

কলকাতা ২১ আষাঢ় ১৪২৯ বুধবার ৬ জুলাই ২০২২ শহর সংস্করণ* ৪.০০ টাকা ১২ পাতা

কেয়ারিং মাইন্ডসের সমাবর্তন

আজকালের প্রতিবেদন

কেয়ারিং মাইন্ডসের ছাত্রছাত্রীদের হাতে ডিপ্লোমা ও শংসাপত্র তুলে দিলেন অগ্নিনির্বাপণমন্ত্রী সুজিত বসু এবং যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাচার্য অধ্যাপক সুরঞ্জন দাস। সদ্য শেষ হওয়া সমাবর্তন অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন কেয়ারিং মাইন্ডসের প্রতিষ্ঠাতা, পরিচালক মিনু বুধিয়া। মিনু বুধিয়া বলেন, আমাদের বিশেষ অতিথিদের উপস্থিতিতে আমরা সম্মানিত। সব বাধা ভেঙে আরও আত্মবিশ্বাসের সঙ্গে এগিয়ে যেতে পারব আমরা।

এই বিশেষ অতিথিদের উপস্থিতি এই কাজে আমাদের অনুপ্রাণিত এবং উজ্জীবিত করেছে। সমাবর্তনে যাঁরা ডিপ্লোমা ও সার্টিফিকেট পেলেন অর্থাৎ ডিপ্লোমা-ইন-সাইকোলজিক্যাল কাউন্সেলিং (২য় ব্যাচ) এবং সাইকোথেরাপির সার্টিফিকেট কোর্সের (৩য় ব্যাচ) ছাত্রছাত্রীরা যেমন আত্মশক্তি বাড়িয়েছেন, তেমনি পার্শ্ববর্তী মানুষও এঁদের দ্বারা উপকৃত হবেন। উল্লেখ্য, কেয়ারিং মাইন্ডস (ইনস্টিটিউট অফ মেন্টাল হেলথ)-এর অ্যাকাডেমিক শাখা যাদবপুর বিশ্ববিদ্যালয় দ্বারা স্বীকৃত। এই কোর্সগুলিতে বিভিন্ন বিষয় অন্তর্ভুক্ত রয়েছে। যাঁরা মনোবিজ্ঞানের ক্ষেত্রে আরও বিদ্যাচর্চা করতে চান, তাঁদের জন্য এই কোর্স একটি শক্তিশালী ভিত্তিও।

মন্ত্রী সুজিত বসু বলেন, 'এমন অনুষ্ঠানের শরিক হওয়া একটি অনন্য অভিজ্ঞতা।' সমাবর্তন অনুষ্ঠান শেষে সংস্থার প্রতিষ্ঠাতা মিনু বুধিয়ার সঙ্গে অতিথিরা ইনস্টিটিউট ঘুরে দেখেন। সাইক্রিয়াটিস্ট, সাইকোলজিস্ট এবং কাউন্সেলারদের সঙ্গে কথা বলেন। মিনু বুধিয়া বলেছেন, গত ৯ বছরে কেয়ারিং মাইন্ডস (ইনস্টিটিউট অফ মেন্টাল হেলথ)-এর ৩টি শাখা যথাক্রমে ক্লিনিক্যাল, অ্যাকাডেমিক, আউটরিচ এবং সচেতনতার মাধ্যমে পরিষেবা ২৫ লক্ষের বেশি মানুষকে স্পর্শ করেছে।

THE ECHO OF INDIA

DAILY FROM KOLKATA . SILIGURI . GANGTOK . PORT BLAIR . GUWAHATI

Kolkata • Wednesday • July 6, 2022

Kolkata gets more Counsellors-Convocation at Caring Minds

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, JULY 5/--/ State Fire and Emergency Services minister Sujit Bose and the Vice Chancellor of Jadavpur University Dr. Prof Suranjan Das graced the Caring Minds graduation ceremony and presented diplomas and certificates for Diploma in Psychological Counselling (2nd batch) and Certificate Course in Psychotherapy (3rd batch). Recognised by Jadavpur University, these courses offered by the academic wing of Caring Minds (Institute of Mental Health) cover a variety of topics that not only enhance the students' understanding of self and the people around them, but also develop a strong foundation for those who want to study further in the field of psychology.

In the present day there is a grave mismatch between the requirement and the availability of skilled, trained, and certified mental health professionals who can provide quality, affordable mental healthcare services. Caring Minds offers a variety of courses to bridge this gap. The Caring Minds Diploma in Psychological Counselling and Certificate Course in Psychotherapy are two such essential programmes.

Accompanied by Minu Budhia (Founder-Director, Caring Minds), the honourable guests toured the institute to get an overview of the essential mental healthcare services available. Meeting the psychiatrists, psychologists, and counsellors, they explored a variety of psychological tests and therapies. Speaking words of motivation and enthusiasm, they encouraged and commended the entire team and students for the need-of-the-hour work they were doing in the fields of mental health services and mental health education.

Visibly moved after a tour of both the facilities, Mr Bose said, "It is a unique experience to be a part of a programme where one gets to learn something new. I must applaud Minu ji for the huge responsibility she is carrying out so excellently. In today's modern society, people are under tremendous mental pressure and counselling for them is essential. To the students graduating today, along with my best wishes I would like to say that they have a great responsibility now to go out into the world and help the community in a positive manner."

Commending Minu Budhia on how professionally the courses are being run and reiterating his cooperation, Dr Das said, "We look forward to helping you - Jadavpur University remains committed to ensure that for these courses and any you introduce in the future, we will be happy to offer you affiliation and be by your side. And as the Minister pointed out, the government will also be by your side. When I see Minu ji's outreach efforts, I am reminded of a quote from Helen Keller - When one door of happiness closes, another door opens. We look so long at the closed door, that we don't see the one that has opened. Minu ji has not only gone through the open door, but she has opened it for so many others through Caring Minds."

Ms Budhia said, "We are honoured by the graciousness of our special guests. Their visit has motivated and inspired us to continue with confidence on our journey to break the stigma. I'd like to extend my congratulations to all the students for having worked hard and passed with flying colours. I have faith that they will make an impactful contribution to the community both as counsellors and as citizens. These courses are important as each graduate brings us one step closer to decreasing the paucity of mental health professionals in our country."